भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 990

02.12.2024 को उत्तर के लिए

वन और वृक्षों का संरक्षण

990. श्री मनीष जायसवाल :
श्री अनूप संजय धोत्रे :
श्री महेश कश्यप :
श्रीमती गनीबेन नागाजी ठाकोर :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में समस्त आर्द्र भूमि और मैंग्रोव का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग में मैंग्रोव और आर्द्र भूमि के संरक्षरण सहित वन एवं वृक्षावरण क्षेत्र में वृद्धि करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके वन और पौधों के संरक्षण के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है;

(घ) क्या सरकार देश में वृक्षारोपण अभियान चला रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) विगत तीन वर्षों के दौरान उक्त वृक्षारोपण अभियान के लिए गुजरात को आवंटित निधियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के तहत अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी), अहमदाबाद ने मंत्रालय के सहयोग से वर्ष 2021 में राष्ट्रीय आर्द्रभूमि दशकीय परिवर्तन एटलस प्रकाशित किया। इस एटलस में सूचित की गई आर्द्रभूमियों की राज्यवार सूची **अनुबंध-I** में दी गई है।

भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई), देहरादून, जो पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) का अधीनस्थ संगठन है, हर दो वर्ष में देश के वन एवं वृक्ष आवरण का आकलन करता है और इसके निष्कर्ष भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) में प्रकाशित किए जाते हैं। आईएसएफआर 2021 के अनुसार, देश के मैंग्रोव आवरण का राज्यवार विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(ख) वन एवं वृक्ष आवरण बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार राष्ट्रीय हरित भारत मिशन (जीआईएम), वन्यजीव पर्यावासों का एकीकृत विकास (आईडीडब्ल्यूएच), प्रतिपूरक वनरोपण कोष प्रबंधन एवं आयोजना प्राधिकरण (काम्पा), नगर वन योजना, तटरेखा पर्यावासों एवं ठोस आय के लिए मैंग्रोव पहल (मिष्टी) आदि जैसी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख छत्तीसगढ़ के कार्यालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में वर्तमान में चल रही वन संरक्षण गतिविधियों के हिस्से के रूप में बस्तर संभाग में कुल 25561.288 हेक्टेयर क्षेत्र में वनों की बहाली का कार्य चल रहा है और 6953.488 हेक्टेयर भूमि पर भू-जल संरक्षण कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा, 2024 की वर्षा ऋतु में 1431.517 हेक्टेयर भूमि पर कुल 2895221 पौधे लगाए गए हैं।

इसके अलावा, सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 को देश भर में आर्द्रभूमि के संरक्षण और प्रबंधन के लिए विनियामक ढांचे के रूप में अधिसूचित किया है ताकि आर्द्रभूमि के पारिस्थितिक स्वरूप को संरक्षित, प्रबंधित और कायम रखा जा सके। राष्ट्रीय आर्द्रभूमि दशकीय परिवर्तन एटलस के आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में 2.25 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाली 11,261 आर्द्रभूमियां हैं। बस्तर संभाग में स्थित आर्द्रभूमियां इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	जिले का नाम	आर्द्रभूमियों की संख्या
1.	बस्तर	126
2.	बिजपुर	306
3.	सुकामा	161
4.	दांतेवाड़ा	51
5.	नारायणपुर	18

छत्तीसगढ़ राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण ने मंत्रालय के 'आर्द्रभूमि बचाओ अभियान' के तहत 2882 आर्द्रभूमियों की जमीनी जांच पूरी कर ली है। इसके अलावा, आर्द्रभूमियों की जमीनी जांच और स्वास्थ्य कार्ड तैयार करने, सफाई के लिए डस्टबिन लगाने और इन आर्द्रभूमियों के आसपास जागरूकता का प्रसार करने के लिए साइन बोर्ड लगाने का काम भी जारी है।

(ग) भारत सरकार ने देश में विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके वनों और पौधों के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें यथासंशोधित जैव विविधता अधिनियम, 2002 का क्रियान्वयन शामिल है। इस अधिनियम के तहत, इस मंत्रालय ने संबंधित राज्य सरकारों के परामर्श से 18 राज्यों और 2 संघ राज्य क्षेत्रों में संकटग्रस्त प्रजातियों को भी अधिसूचित किया है। यह अधिसूचना राज्य जैव विविधता बोर्डों और संघ राज्य क्षेत्रों की जैव विविधता परिषदों को अधिसूचित प्रजातियों तक पहुंच को विनियमित करने और उन प्रजातियों को संरक्षित करने के उपाय करने की शक्ति प्रदान करती है।

(घ) केंद्र सरकार ने वृक्षारोपण गतिविधियों को संचालित करने के लिए कई पहलें की हैं। वृक्षारोपण के लिए सामुदायिक भागीदारी को सूचीबद्ध करने हेतु 'एक पेड़ मां के नाम' नामक अभियान शुरू किया गया है। सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को इस अभियान के तहत वृक्षारोपण गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। भारत सरकार विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत वृक्षारोपण अभियान चलाने के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) को वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है। नगर वन योजना (एनवीवाई) में वर्ष 2020-21 से 2026-27 की अवधि के दौरान देश में 600 नगर वन और 400 नगर वाटिका विकसित करने की परिकल्पना की गई है। जीआईएम के तहत, 155130 हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण/पारिस्थितिकी-बहाली के लिए सत्रह राज्यों और एक संघ राज्य क्षेत्र को 944.48 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। **मिष्टी** कार्यक्रम का उद्देश्य नौ तटीय राज्यों और चार संघ राज्य क्षेत्रों में मैंग्रोव की बहाली और वनीकरण के प्रयासों के माध्यम से लगभग 540 वर्ग कि.मी. क्षेत्र को वनावरण के अंतर्गत लाना है। वित्त वर्ष 2023-24 में 3046 हेक्टेयर मैंग्रोव की बहाली के लिए **मिष्टी** के तहत 17.96 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

(ङ.) गुजरात के प्रधान मुख्य वन संरक्षक के कार्यालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात राज्य में वृक्षारोपण गतिविधियों के लिए निधि का आवंटन निम्नानुसार है:

वर्ष	वृक्षारोपण एवं संबद्ध गतिविधियों के लिए निधि का आवंटन (करोड़ रुपए में)
2021-22	421.41
2022-23	420.90
2023-24	455.38

*****

अनुबंध-I

"वनों और वृक्षों का संरक्षण" के संबंध में दिनांक 02.12.2024 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 990 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

राष्ट्रीय दशकीय परिवर्तन एटलस 2021 के अनुसार आर्द्रभूमियों का राज्यवार विवरण

क्र.सं.	राज्य का नाम	संख्या	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)
1.	आंध्र प्रदेश	24,104	1,141,606
2	आरुणाचल प्रदेश	1,182	151,104
3.	असम	5,902	849,078
4.	बिहार	4,526	374,766
5.	छत्तीसगढ	11,457	342,443
6.	गोवा	742	24,749
7.	गुजरात	17,613	3,499,429
8.	हरियाणा	1,905	33,649
9.	हिमाचल प्रदेश	215	94,011
10.	झारखंड	2,635	187,045
11.	कर्नाटक	14,936	787,127
12.	केरल	1,399	158,336
13.	मध्य प्रदेश	13,935	861,736
14.	महाराष्ट्र	25,935	1,152,625
15.	मणिपुर	132	67,408
16.	मेघालय	225	31,002
17.	मिजोरम	127	19,476
18.	नगालेंड	148	21,118
19.	ओड़िशा	13,331	719,942
20.	पंजाब	1,190	47,024
21.	राजस्थान	13,321	778,824
22.	सिक्किम	259	7,049
23.	तमिलनाडु	26,883	925,712
24.	तेलंगाना	12,338	566,680
25.	त्रिपुरा	416	1,843
26.	उत्तर प्रदेश	18,555	1,104,562
27.	उत्तराखण्ड	172	112,882
28.	पश्चिम बंगाल	12,955	1,130,127
29.	अंडमान निकोबार	2,774	143,238
30.	छतीसगढ़	11	336
31.	दादरा नगर हवेली	12	2,063
32.	दमन एवं दीव	59	2,728
33.	दिल्ली	123	2,773
34.	जम्मू व कश्मीर	404	164,110
35.	लक्षद्वीप	50	79,716
36.	लद्दाख	1,073	373,049
37.	पुदुचेरी	139	5,555
	कुल	**231,195**	**15,981,516**

<u>अनुबंध-II</u>

'वन और वृक्षों का संरक्षण' के संबंध में दिनांक 02.12.2024 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 990 के भाग (क) के उत्तर में अल्लिखित अनुबंध

<u>मैंग्रोव आवरण का राज्य-वार ब्यौरा (वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार)</u>

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार मैंग्रोव आवरण (वर्ग कि.मी. में)**
आंध्र प्रदेश	405
गोवा	27
गुजरात	1175
कर्नाटक	13
केरल	9
महाराष्ट्र	324
ओडिशा	259
तमिलनाडु	45
पश्चिम बंगाल	2114
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	616
दमन और दीव	3
पुडुचेरी	2
कुल	**4992**

*****